27/7/20

ECONOMICS (I.A)

120

पूर्ण माँग एवम् पूर्ति एक - दूसरे के बराबर हो जाती है। क्रेताओं एवम् विक्रेताओं के मोल - जोल की प्रक्रिया के अन्तर्गत एक ऐसी स्थिति आती है जब माँग एवम् पूर्ति एक - दूसरे के बराबर हो जाती है तथा वहीं पर साम्य मूल्य का निर्धारण होता है। निम्नलिखित तालिका में ऊपर दी गई माँग एवम् पूर्ति की तालिकाओं को मिलाकर यह दिखलाया गया है कि किस प्रकार माँग एवम् पूर्ति की सापेक्षिक शक्तियों द्वारा इस उनके संतुलन बिन्दु पर मूल्य का निर्धारण होता है।

मूल्य / कलम	कलम की माँग	कलम की पूर्ति
12 रु०	100	500
10 रु०	200	400
8 रु०	300	300
6 रु०	400	200
4 रु०	500	100

तालिका से स्पष्ट है कि जब कलम का मूल्य प्रति कलम 12 रु० है तो क्रेता 100 कलमों की माँग करते हैं लेकिन विक्रेता 500 कलमों की पूर्ति करने को तैयार हैं इस मूल्य पर सभी विक्रेता अपनी कलमों को बेचने में सफल नहीं होंगे क्योंकि पूर्ति माँग से अधिक होगी। अतः विक्रेताओं को अपनी मूल्य में कमी करनी होगी। जब मूल्य घटकर 10 रु० प्रति कलम हो जाता है तो माँग बढ़कर 200 तथा पूर्ति घटकर 400 हो जाती है।

Scanned with CamScanner